II. Transfers should be minimum as each transfer costs several thousands of rupees.

III. Each officer should be informed of the proposed transfer at least one year in advance.

VI. If both the spouses are serving either in I.O.C. or outside I.O.C., they need not be dislocated as far as possible or both should work at the same station/unit.

(v) Need for probe into allegation of Supply of pelluted water to the people of Agra

श्री निहाल सिंह जैन (आगरा) : सभापति महोदय, में आगरा में थल सेना एवं वायु सेना की बहुत बड़ी छावनी स्थिति है। यहां पैराशूट ट्रेनिंग का एकमात्र प्रशिक्षण केन्द्र है। यहां सी.ओ.डी., 509 आर्मी बेस वर्क शाप, एवं अन्य रक्षा प्रतिष्ठान हैं। बहुत बड़ी संख्या में थल सेना, वायु सेना के जवान, अधिकारी एवं इन प्रतिष्ठानों में काम करने वाले कर्मचारी निवास करते हैं। इन सबको पेयजल की आपूर्ति आगरा जल संस्थान करता है। कैमीकल परीक्षणों से ज्ञात हुआ है कि जल संस्थान द्वारा वितरित पेयजल अत्यन्त दूषित है तथा सामान्यत: अस्वास्थ्यकर है। विशेषज्ञों का मत है कि यह दूषित जल अस्सी प्रतिशत रोगों को जन्म दे रहा है। इसके परिणाम: स्वरूप हमारे सुरक्षा सैनिक अधिकारी तथा रक्षा प्रतिष्ठानों के अधिकारी भी अछूते नहीं रह सकते। चिन्तनीय स्थिति तो यह है कि उत्तर प्रदेश शासन और जल संस्थान विशुद्ध जल की आपूर्ति सुनिश्चित करने में उपेक्षा कर रहे हैं। जल में विषाक्त कीटाणु और गन्दगी की शिकायतें अनवरत रूप से समाचार पत्रों में प्रकाशित होती रही हैं। आशंका व्यक्त की जा रही है कि कहीं नगर में महामारी न फैल जाए ?

उपरोक्त सैनिक प्रतिष्ठानों के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा नगरवासियों के स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए रक्षा मंत्रालय के विशेषज्ञ तुरन्त आगरा भेजे जाएं जो जल सस्थान से प्राप्त होने वाले जल की रासायनिक जांच और उसको प्रदूषण रहित बनाने की प्रक्रिया का भी अवलोकन करें और यह भी सुनिश्चित करें कि सुरक्षा सेवा कर्मचारियों को पेयजल प्रदूषण रहित उपलब्ध हो।

(vi) Strike be Hoisery Industry workers of Tiruppur in Tamilnadu and West Bengal

SHRI ERA MOHAN (Combatore) : Triuppur in Tamil Nadu is the home of hosiery industry in India with 1,300 factories employing 16,00 workers. The vests made in Tiruppur are supplied throughout the country and outside India, even to advanced countries. For the past one week all these units have been closed after negotiations have failed. The 16,000 workers are on the roads. There is the chain reaction of stagnation of yarn and the spinnin mills are laying off workers. For the past three months the hosiery industry in West Bengal is also on strike. The Centre should make serious efforts to resolve this strike. The export commitment is not being adhered to in the absence of continued production. It is very necessary to find a solution to the genuine demands of the hosiery industry workers for wage increase and other basic amenties. The Centre should intervene immediately and ensure early settlement of strike in hosiery industry in Tiruppur and West Bengal, so that thousands of workers are saved from decimation.